

नमो कर्णे ५२

ताकारुसावकुवचविधि॥ कु ॥ पूर्वमानिरुड दहिनपूर्वूरुड पश्चिमजननु
वैश्रव। २ गुफासगुफासवस्वमीदवीवन्दु कानामारुपदाता॥ कु ॥ इत
रुवाव विवागा॥ दासानामाल॥ वम्बा कर्णवम्बादनगिनयना२ स्वस्वस्वलास्व
वसिनुलनपिता॥ कु ॥ ननागा२॥ घाघन। २ उवदाध पवशुधना२ लज्ज
लज्जकसूगुधवि॥ कु ॥ जम्भनिरुम्भनिमादनि जाकर्षभी२ जादिमध्यांत
तशुरुकस्याचमिता॥ कु ॥ स्वर्गमध्यापाताल निशुवच२ गनपतिपूजिवस

आशा सरस्वती
ASHA ARCHIVES

419

नमो कर्णे

नमो कर्णे

वृष्टिनेयागवन्तिकर्षूणाद्वववचपुष्पद ॥ पुष्पाजालिम-द्वववनीनावः
 रूविनासयिथुन्यकन ॥ ५ ॥ २४ ॥ ॐ तिसिन्धुलावेनय
 जायांगीतसमाय ॥ ॐ ॥
 हेनवीनाग ॥ रयताल ॥ गजाजिन उद्धराथधनिया ॥ कमलकुलिमजंगवावा २
 उमनकनतिकथालनिभूलवामखद्वंगकपावद ॥ ५ ॥ श्रीसम्बवाऊयवा
 कुनीरुमऊम्वानवद ॥ मानयिनवापियाविनमाया ॥ सायुरुअवतावनी ॥ ॐ ॥

गजाजिन २५॥

ॐ तिसिन्धुलावेनय

हा ॥ पागपवममडाछादमहाथधनियाउनवमिनमालावद ॥ विश्वकुलिमअर्द्धचंद्र
 ऊटाहटवाधुवर्मषट्मडाआहा ॥ जालिरपुष्पाहेनववापयिनश्वन ॥ कालिनास्या
 दिनमडाआहा ॥ नीलहितनाहितकनकाम्बऊ ॥ वउमखअहिलीषपावद ॥ ५
 हिंमवीनवानश्वननायक ॥ तिसिचकुमहावीनवीन ॥ कनसमंवागवीनवीनश्वनः
 युऊयिसयनसंसावद ॥ ५ ॥ २५ ॥ हेनवीनाग ॥ नकतविताला
 ऊयऊयवाकुनीसयनसंसाहा ॥ अखयइश्वसंहाहननी ॥ नूनरूनयानहाथ

ऊयंऊय २६॥

२२

२ जय २ हाउ ऊरु न भ स सा ल । क व ति क पा न क व धा नी ॥

हा प व न ॥ ना व पि मा न नि व वा न व द ॥ कि न प द या नी व न हा प व न ॥ कि न ऊ नी व ऊ
या गि नी ॥ ऊ प ऊ य न दु स्म मा न नि ल खि ति ॥ गृ व न द न व गि न मा ला ॥ ऊ य ऊ
य ना ष डू ऊ ग न सं सा न ॥ पु ल मा मि ऊ द य वा ऊ नी ॥ ॐ ॥ २० ॥ हे न वा
ना गा ॥ ३ ऊ मा न गा ला ॥ न मा मि २ कि न धा तु क न क क व तु न म न ति आ व कृ ता ॥ य व
ह्म न प क धा तु क नू पा व द ध र्म जा न य श्व ना ॥ न मा मि २ गी मा नि प न श्व न वि दि
सि दि व न दा य नी ॥ ३ वि न व ल स र्वे पा प रु य क व दान प न्ध न दू मा क पु द ता ॥
२ न ना दू २ ज ग त सं सा न उ ध वि या म ना द व न म सु २ य क कि न श्व ना ॥ ॐ ॥

ना गा ला मा ॥ न मा मि २ ध र्म धा तु वा गी श्व न ॥ वा उ न र वा न य वि म ति ता ॥ वा उ
न ता व न च च र न का ना ॥ स र्व द व य वि म ति ता ॥ न मा मि २ वा गी श्व न म भु ल य म
गि वि नि वा सि ता ॥ स ल वि मा हि त इ र्ने ति ना म न ॥ पु ल मा मि कि न व क श्व ना ॥ न ना
दू ३ न ना ॥ ॐ ॥ २० ॥ हे न वा ना गा ॥ २ य ॥ अ ष्ट रु गु पा न दि ग वि दि
ग रु व ल ॥ धं सि व मा न व तु न य व ॥ ग ग ल गि ष ल ग ग ल र न नू ल का ना ॥ ग ग ल
ऊ मा न य न वा जि या न ॥ दू दू न मा मि प क ॥ अ कि नी प क रु व कि ह्म न ऊ ॥

न मा मि २ २० ॥

अ ष्ट रु गु पा न २० ॥

पु२
 किनीसवनसरुग्धरुग्धता ॥ पूर्वउरुवपश्चिमदक्षिणवतुचुव ॥ विष्णुमा
 लविखलुयाव ॥ वरुजकिनीघाववतावजकिनीवधुलजकिनीवतुवद
 वी ॥ सिधुनीवाधुनीऊम्वकउवकिनी ॥ खडांगयवगुजंकगरुस्त ॥ जकि
 नीधिकिनीवउसिकवांऊनीघालवम्यादवकागवदनी ॥ जिनऊननीदवीः
 जकिनीतुरुययिगवर ॥ एकमूडारुवसरुषनिया ॥ खजरुतकवऊय
 खडांगयाभा ॥ पुनमामिदवीथीहानश्वरी ॥ ५ ॥ २८ ॥ हय

वयागा ॥ मलमा ० ताल ॥ द्विउऊद्विमखलिनिनयना ॥ मकटकमदिगंवना ॥ ५ ॥
 कनाताकनाताकनाता ॥ वामकवाठकदहिनकवति ॥ दाऊआरुवसविरुषिता ॥
 सूर्यमधुलमाच तांदवमवति ॥ नवमिवमालसुसाहिता ॥ सहुनववर ॥ निवग
 गधविषा ॥ वरुवानाहीआलिंगिता ॥ ५ ॥ २९ ॥ मालवनागा ॥ नि
 गंविनीवुंविहवकपमर ॥ सुकयुतिहकधुलवान्यमरुह ॥ संकतभलांपुविगनु
 दाष ॥ मालाधनामालवनागनाऊह ॥ मा ० ताल ॥ वडिघानीवतावीवधुलीनी

द्विउऊ २८ ॥

वडिघानी ३० ॥

हिमल
 नगनागा
 नगनागा

सिंघिनी शशिनी उम्बक उचकिनी ॥ नमामि श्रीयागम्बनहानम्बनी ॥ त्रिनि
ननुदवात्रिनुवचयुविम ॥ पूर्वउरुनयन्त्रिमदक्षिभदिगदवी ॥ जकिनी द्विपि
नीवउसिकवाऊनी ॥ वरुनदिगनुमरुलननुदवी ॥ त्रिनिननुदवी नाचनु
दवी ॥ रुविहचवुक्क ॥ ननु जसुवगन ॥ वादमयागिनी समनसंताव ॥ ॐ ॥
॥ ३० ॥ मालववाग ॥ पूर्वदिगल्लिहंसासनीदवी ॥ वनुवदनीदवी धावि
रुत्रिगुला ॥ नमामि श्रीरैववमारुकागभयत्रिकुमावा ॥ ॐ ॥ अरुहेनवज

अरुहेनवज २६

सुयामिनी जालिंगना ॥ ॐ ॥ नाकावदनी स्वहितमयूनासनीदवी ॥ विनुपा
नुधनीवेषूदीदवी ॥ ॐ ॥ वदनघालनूपावानादीदवी ॥ कंकमवदनी वरुनाय
नीदवी ॥ ॐ ॥ कनखमक्षनीकंकानमन्त्रि पुनमामिदवी श्रीमहालक्ष्मी
सगम्भा ॥ ॐ ॥ ३१ ॥ मालववाग ॥ नकावर्ग ॥ नकावर्ग ॥ नकावर्ग ॥ नकावर्ग ॥
दिननुऊगदाहसुमहावीनम्बन ॥ ॐ ॥ नमामि श्रीराममनपवमम्ब
न ॥ वामनुऊगुयमडाधनपुण्यान ॥ ॐ ॥ उगतमंसावलाहुरुलं प

श्रीमत्संन २७

रुद्राक्षमन्त्र ३३

सादसिद्धिं २ः ऊगातमनावां का सिद्धिरुलददिम ॥ कु ॥ पक्षपाशुवसहि
तर्प्यमित्तु नदीदवी २ अर्थलारु पुरुषाय समंगला ॥ कु ॥ सज्जनवर ॥
पुसादसिद्धिं २ रावा रावव ॥ सीमनाजनमासि ॥ कु ॥ पञ्चमालागिवि
स्तिवकाइवाचार्य २ अमृतपुरुदवविनवितासीमनाऊ ॥ कु ॥ ३२ ॥
मानवनागा ॥ रुद्रितकमलमायनविभगिनाऊ ॥ कालाग्निमशुलपत्रिसंस्क्रिता
रुद्राग्नेनाकामदवप्रतिवशुमाना ॥ जालिरवापयित्रीकाववकनाया ॥ कु ॥

३३

रुद्राक्षमन्त्र ३४

वशुवविंगतिशुद्धविगुविविगुं ॥ कृष्णवर्चुवशुमानननिनयना ॥ कु ॥ कृष्णमः
सिद्धिर्वचनुविश्ववऊ ॥ वऊमकूटमनिमशुलस्वक्रिता ॥ कु ॥ वऊकशुक्र
नूचकमयला ॥ वऊनापलवाशुवर्मरुषिता ॥ कु ॥ रुद्रपिद्वकवऊगुनय
साद ॥ सुखमासिदवीत्रीविभमातागवसा ॥ कु ॥ ३३ ॥ मानवनागा
॥ कनकवर्चुदसा ॥ नकमखद्विजुआरमकूटकगनि ॥ त्रिनिवावनीदवी ॥ कु ॥
नमासि २ श्रीकास्कोमिनीदवी २ ऊगातमाहिनीदवी ॥ मृद्विसिद्धिपुसाद ॥ कु ॥

३४

सिंघाद्यापतनी। ललितासनस्त्रिंशत्तारुचरुषिणा। अग्निसखसाहिना
 ध्रु ॥ दक्षिणतुङ्गद्वयं सनध्वविनीदवी २ वामतुङ्गसर्वेनत्तराञ्जनस्त्रिंशत् ॥ ध्रु ॥
 तन्निमन्तुलमायुःवक्रतस्त्रिंशत् २ सगलमन्तुलमायुःवक्रतस्त्रिंशत् २ सगलमन्तुल
 मायुः। पुमादिगद्गदया ॥ ध्रु ॥ श्रीभारुणीदवीः त्रिभुवनव्यापिना २ सद्गु
 नवनलवनपसाद २ त्वंदवीवनलः। मृद्विसिद्धिपसाद ॥ ध्रु ॥ ३४ ॥
 मानवनागा ॥ नृकवदनवत्तमकटजालकृताः वरुतुङ्गखभपुस्तगवधनधाः

१ ॥ नमामि श्रीमङ्गुलीपमनृत्यश्वना ॥
 वि ॥ ध्रु ॥ दक्षिणगलपतिवामश्रीमहाकानः सगलमन्तुलमायुःपद्मलित
 स्त्रिंशत् ॥ मृद्विसंज्ञाननायाविश्वव्यापिनाः अष्टमहारुचरुषिणाधिइतिगहनका
 वक्रधनपुमादिनदासरुनधिया ॥ गुनवनलमानसिद्धिवनपुमाद ॥ ध्रु ॥
 ३५ ॥ नामकवीनागा ॥ स्वर्णपुलाहासनरुषकाः २ नीलनिवालं वषावरुः
 ता ॥ कान्तपदायान्तमधिनिगापिः मानान्नगानामकवीपविष्टा ४ ॥ मा० ताव ॥ क
 मलविकानिगस्त्रिंशत्तारुचरुषिणाः कमन्तुपिपवर्णसमदहा ॥ वरुनवदनकवनय

दनसननृयपकासिता ॥ ३० ॥ नमामि श्री श्री महामहेश्वरी सकल गुणनाय
 सनगुन ॥ कमलिदहन ह्यानवनपद ॥ सर्वरू ह्यान निधिसागना ॥ प्रथम कनक
 यक्षविगवज्जघ ॥ मडाजालिगचना जिता ॥ द्वितीयकेशधनरुगाय ह्यान स्क
 न्ध ॥ वरुथखभसर्वरू नक्षत्रा ॥ उरुवरुजपा ॥ वरुवचधर्मवाप ॥ वरुथवामधृ
 तपुसका ॥ वरुनमकूटमिनपुछलित ॥ किर्चिषरुमधृगविवना ॥ निर्वद्विवद्वि
 हापिनिमित्तरुनिता ॥ सर्वरू ह्यान निधिरुवपदाता ॥ उरुगवचगवचमागग ॥ प

नमायवज्जन्मनी ॥ ३१ ॥ ३३ ॥ नागकनीनाग ॥ श्रीकृष्णालगिनि
 रुवचनिवासित ॥ श्रीश्रुमिहारुमिलमोनिधना ॥ नमामि श्रीज्ञानन्दादिलाक
 श्वन ॥ त्रिरुवचयापितसमगला ॥ मविमयसाहितयवतज्जटाधृग ॥ नकवचूकम
 लासन ॥ वेगनागसईरु अनरुन ह्यान पदा ॥ रुगुतिमगुतिवनसंपदा ॥ अनरुम
 नाहन ॥ वागमनीमसुग विघ्निविनायकगल्लश्वन ॥ ३१ ॥ ना
 मकनीनाग ॥ विश्वदनसनगिऊसमरुवपकासिता ॥ उदितवविनुगिरुवरासिता

श्रीकृष्णाल ३१ ॥

नमो देवता ३१

विष्णुपद ३८॥

॥ नमामि श्रीग्रीवगमलोकश्वनः सर्वसत्त्वउधानसमाकृपदाता ॥ कुं ॥ विष्णु
पूर्वपीठिगतवक्त्रायनीदवीसरुः समनसमदासुखकनयिता ॥ कुं ॥ उत्तम
पीठिगतमादश्वनादवीसरुः विविधिनसितमदासुखं ॥ कुं ॥ अग्रपीठिगत
कामावादीदवीसरुः अद्वयसमाधिरावधिया ॥ कुं ॥ नेम्यपीठिगतवेषुवीदवीस
रुः गारुपनमनसं किंठकि ॥ कुं ॥ दक्षिणपीठिगतवानादीदवीसरुः सचित्तव
वितसरुनमदा ॥ कुं ॥ पश्चिमपीठिगतदवीरुन्दायनीः वृषादसितविनासि

॥ ५ ॥

मदनी ३८॥

ता ॥ कुं ॥ वायव्यपीठिगतदवीवामनुः वन्द्यमधुधावितसरुनमदा ॥ कुं ॥
वृहीमाध्वपीठिगतमहालक्ष्मीदवीः काउ निसमसुखकनयिया ॥ कुं ॥ षादग
जिनसिसिन्धूलधनिग ॥ षादगयागिनीपूजिया ॥ गानिकादिकाविगतजगतर्ज
नन्दः महासर्वपूजितशुवगमना ॥ कुं ॥ ३८ ॥ नामकनीया ॥ मदनी ऊ
लज्जिवायमधुलः उपसस्थितगीसुमनः २ नानानलमयकलितउकितगंस
हिसुमनं ॥ कुं ॥ नमामि २ श्रीगुणवज्रसत्त्वः अनंगगुणनिधिसम्यन्ता २ विश्व

नमः सत्त्वया ॥ ३९ ॥

नाथविश्वव्यापिगः गुनगिरुवनसंशुगा ॥ कु ॥ आकाशवर्धुमुखनयनाः सवि
 मानवकु यल्लुधविः निवकसर्वभूसल्लुखन नल्लमकूटगिन ॥ कु ॥ नल्लकू
 धुल्लमल्लुगीवेवः नथिदिदिधसल्लुखन वहुनद्विपदिगसवत्ताः नल्लमधुल्लसंपू
 र्ण ॥ कु ॥ हृदिपुमादितगवविनासवकु गुननीनंजनगिनः विद्विसिद्धिव
 नपुदागाः सपनऊनल्लनरुवपुदागा ॥ कु ॥ ३२ ॥ वल्लानीनाल्लवि
 नादयनीदयिगकुः गोनीः सुकंकनावामल्लवाल्लननः कर्णदधनासल्लवृकगु

कुंः वनांगल्लयंकधिगावल्लानी ॥ मा० गाल ॥ वामखधनधनद हिनकनतिः पाय
 ननापुनमधुमाल्लरुधिगा ॥ कु ॥ नावयिनककतिवकुयागिनीः त्रिसिन
 गुदवीगिरुवनपुविग ॥ कु ॥ लल्लसल्लदवीनीलंजनदवीः सुन्यणागुद
 वीसुन्यसंराव ॥ कु ॥ कालमृत्कुइयिपागनबंधियाः नागद्वषमारुकनति
 नकुद ॥ कु ॥ गृष्टिसंस्तानदवीगाननीदवीः मारुमार्गदवीगुक्कपयि
 सनल्ल ॥ कु ४९ ॥ नागजुहविनागा ॥ मा० गाल ॥ विकचकमल्लापविदिन

वामपुन ५० ॥

विकचक

वर्जितादिनया ३२

५२

कनमधुल २ सिधुववधूर्धमाद्वयायागिनी ॥ कुं ॥ श्रीदवीपागवधूर्धमाकान
 नाः गवविद्विरुल्लविरुवदायनीयागिनी ॥ दहिनवामपादकंविहवद्वः कव
 धाविकनहिनकुदनिकगायागिनी ॥ वामकनस्त्रिगस्त्रिजिनमन्त्री ॥ गृवस्त्रि
 नृधिववरुयियागिनी ॥ रुनयिनपनमादवकुगागकृगः पुनमासिदवीश्रीवि
 नुमसुकयागिनी ॥ कुं ॥ ४१ ॥ निवदनागः काउदधानः सुगनगदा
 न्यः पशुपनिवाव विनिर्मर्मान ॥ विद्याधनसर्वकवंविनासिः संकवदान्वा

शाङ्खि कसमनालिः जयंतीपूषा संकनदामनीयः नंदनवनापकी १०० सनगमनानिवरधस्त्रुतः ॥
 कथितं निवद ॥ मा० गाल ॥ वियंविभमय मनारंगसयनाः रुवन्नु सनवनउ
 मतिया २ अविधेकसमसंकोमगनीना ॥ अनूपमपूववनउमतिया ॥ कुं ॥
 वामकनाटकदहिनकनवजिः नगनमकूटकमिया २ वृकनकुलाहिनविः
 नाहिनवानी ॥ श्रीविद्याधनीदवीरुनयिया २ सूर्यमधुलमारः उदयीवनीति
 नीलसंहावस्त्रिगिया २ कनः ससंहावपिवयावनिति ॥ धनहनमयनंउमति
 या २ अथिनस्त्रिगसंहावयिनदुनी ॥ अवधूवशालिनकाविया २ सहजा

विपंविभमय २२ ॥

२२

नन्दमहासखरुवयीयाः वृद्धाकिनीदवीनकावियाः॥ कनकमहासखरुव
 वरुलपियाः लावन्तुलावनहायियाः॥ आदिनश्रुक्तननिरूपमजामिः
 पलमामिसनवनरुनयीया॥ कुं ॥ ४२ ॥ अदविनाग॥ इडमा
 नगाल॥ कुं कावसंजातललितासनस्थित कनकवर्षूनकमुखगियवावः
 ना॥ कुं ॥ नमामिदवीशीवसुधवाः॥ वामसरुदघटक्षनमञ्जुविः प्रह्ला
 यावमितापसुकधाविना॥ कुं ॥ दहिनवनदवल्लमञ्जुनीः सर्वजिनप

नसुअनाः ३३॥

नमामिधाविना॥ कुं ॥ नानावाधिविपदाविदहवसाः॥ हिनस्थवज्जत
 वल्लदहिममाता॥ कुं ॥ ४३ ॥ गुञ्जलिनाग॥ अमामसुकनिः
 मवयदमानाः॥ मृशुकमृषनवसंगमगा॥ सुलीषलानांदवतिविहाखं॥ गन्धि
 कृतानांदकिञ्चनागगुञ्जनीय॥ मा० गाल॥ अमलजिदनसनावृहविनाजिता
 गिरुवमसवनावननकनूपा॥ कुं ॥ अकिनीवननिधीवऊवेवावनीः श्रीद
 वीजिनकिगिरुवमाता॥ कुं ॥ नाहिमगुलमादनुवः लम्बनीः॥ जिसिवः

३४॥

॥५४५५५५॥

कुरुदिनादिचयना ॥ ॐ ॥ तिसितत्त्वगयकनगिरुवद्यापिता ॥ अखयनीलं
जनकातिनूपा ॥ ॐ ॥ तुमुतिमृगुतिववददिममाता ॥ श्रीवज्रपाणिनीया
दमवत्ता ॥ ॐ ॥ ४४ ॥ गुञ्जीनाग ॥ द्विजुञ्जकमुखवकवर्चु
नगनमकूटकभीतिनिवावनी ॥ नमादवीकृडाकिनीविश्वजननी ॥ त्रिजुव
द्यापितजिनदायनी ॥ ॐ ॥ दहिनकववज्रविनागितदधति ॥ वामकवाट
कवन्नामृगपिवति ॥ ॐ ॥ कवन्निमगुलमापुडदियागमन ॥ वरुनयूव

॥५४५५५५॥

॥५४५५५५॥

वलगातयवगिनी ॥ ॐ ॥ श्रीविद्याधनीदवीमवननवमदिगा २ सकलमृदि
सिद्धिदहिम ॥ ॐ ॥ ४५ ॥ नागवमनललित ॥ मिखविबद्धात्रयवद
वूउ४ ॥ पृष्ठापितवृगलगाकूलन ॥ उमन्मदानायमनंगमूर्ति ॥ मरुतामतांगसु
वसतांग ॥ ४५ ॥ मानता ॥ जयदवसनाऊउरुययुकागिता ॥ श्रीगाकृम
निववध्यानवावना ॥ ॐ ॥ दहिनवज्रपाणिवामकमलयाति ॥ नमामिश्रीध
र्मनायमहामनि ॥ ॐ ॥ दहिनकिक्किविधव ॥ वामकचिकपाण ॥ विविगु

॥५४५५५५॥

वावलक्षानिभुवयापिगा ॥ कु ॥ कान्धमानसनिर्मलहृदया उत्पत्ति
 नक्षत्ररूपयुदाता ॥ कु ॥ जनमरसगावतलश्रविता दुःखसमवसमाक
 पुदाता ॥ कु ॥ ४६ ॥ वसकललितनामसध्विषुतिपुत्रा इयनिक
 माना ॥ सकलजदवगमं वन्दितयादं ॥ कु ॥ मेतीजादिवृद्धमीमहेकमाना ॥
 त्वंअहिवन्धनिःपत्रमनृत्यधना ॥ कु ॥ कंकमनविलाः सनविरुवृषमा
 २ ॥ गुनगंहिवः कान्धविहाना ॥ कु ॥ विषयविषयमाकूटः पात्रगमनस्यगु

२ ॥ विश्वविद्यापिगृवंगुनस्वयं ॥ कु ॥ सहनयनमाविविन्दुजावाध ॥ गाव
 नितवगीरुपुधवकलिगा ॥ कु ॥ ४७ ॥ नाटकनागा ॥ मा ० ॥ नावि
 वनधवापयिवउमागा ॥ आधवयनपुतिमखलिनय ॥ कु ॥ नावयिहन्व
 नेनास्मादवीसहिता ॥ अष्टयागिनीमहाकनकनमाग ॥ कु ॥ कृष्णवर्धुषाउ
 मरुऊरुलन ॥ आधुवर्मधवोपिगलकगा ॥ कु ॥ वकिक्कुलकविनावकु
 मषला ॥ विरुतिविनावनगनीनजीनकृगा ॥ कु ॥ गाधपत्रमवससहजानं



सप्तत्रयाया ॥ कु ॥ स्वर्गमध्यापातनशुक्लश्रीकापूतक २ ॥ उवउनिलंजनम
 समनिधना ॥ कु ॥ धर्मश्रीमिगुहानश्रीमिगु २ ॥ नपालमधुलमारसवास
 नूपा ॥ कु ॥ वामगुंजयसुकधनधावि ॥ देवसुसगीकूखससवधना ॥ कु ॥
 श्रीलाकेश्वरमधुलमससम्भवाया २ ॥ नाजाधीनाजननन्दमलदेव ॥ कु ॥
 श्रीवडावार्यवन्दरुजावार्य २ ॥ रुनयिवाकवकु निनिनावनवीना ॥ कु ॥
 ॥ ५१ ॥ नाटकनागा ॥ इर्जमानगा ॥ उदयागिनिविगुलंगनिकागा २ ॥ कुलि

भक्तनाटकधाविगदवी ॥ शुक्रदवीमलितविद्याधनादवी ॥ कु ॥ त्वंदवी
 शुक्लपुशुकपकृषू ॥ शुक्रदवीनसुकसर्वनन्दिसं ॥ कु ॥ शुक्रदवीरा
 स्वनविद्याधनीदवी ॥ मनुपातनसगिशुक्लसवखित ॥ कु ॥ शुक्रदवीवि
 नासिनिवृद्धशकिनीदवी ॥ उंकाववकुसकृतरुलिया २ ॥ शुक्रदवीनविग
 निविद्याधनीदवी ॥ कु ॥ ५२ ॥ नासनागा ॥ मा ० ताल ॥ विदयक
 मलवनकुसुमसयना ॥ मधुकवहनूवविना २ ॥ धीविनूपाकूनखगमुखदवी

मलयनपावसलिना ॥ ध्रु ॥ नमामिनेनात्मागिनुवचमाता ॥ वरुलोदवीजी
 मृगस्तु विश्वसयवसूनासववन्दिगवच ॥ २ ॥ अनगनिद्विसिद्धिवपुदाता ॥ ध्रु ॥
 नन्दनवनमिववधुनगवच ॥ अनगकुसुमपालितकागवन ॥ २ ॥ निरुगज्ञासम
 वागमगीगीव ॥ अनगगीर्धसनिर्मला ॥ २ ॥ अष्टरुववअष्टयागिनीदवी ॥ अन
 गदवासुनकृपाय ॥ अष्टमहाहयइवितनिवाननी ॥ अनगविघ्ननिवान ॥
 नी ॥ विश्ववापितगावनीदवी ॥ अष्टयनिवअनकृतिनूपा ॥ २ ॥ अहिमगस

खरुलदायनीदवी ॥ अनमरुसुगवचागता ॥ ध्रु ॥ ५३ ॥ रामना
 ॥ मा ० ॥ ल ॥ ससुदनमारुकातिनूयवद्वं ॥ पृथलभनानाकसुम ॥ २ ॥ अन
 पृथत्यकुचुकलालथनपृथकचुनूपाविजाता ॥ ध्रु ॥ नमामिगीधर्मध
 तुगिनुवचनाथ ॥ १ ॥ गपृकगिनीगीपृथक ॥ २ ॥ सर्वदवासुनवन्दिगवच ॥ २ ॥
 अनगवांचिकसिद्धिपुगाद ॥ ध्रु ॥ ॥ अष्टधर्मवाधिपुक्रानमावचंयक ॥ अ
 नगवृकसंरुसाहिता ॥ २ ॥ अष्टधातुअष्टरुववयागिनी ॥ अनगरुगादिनक

कृपान॥ ५३ ॥ पूर्वदक्षिणपश्चिमउरुनदिगनीनपीतनकादुनिगवर्धुं २५ पं
 जिनपक्षः स्नानस्वरूपाः वरुदवावरुनमन्त्रि॥ ५४ ॥ पक्षेपविगीतामा
 निपविश्ववि॥ अनगमृद्विसिद्धिवनसादर २ रुनपिगीनिद्विवजवविगीत
 ॥ राजन्मजन्मरुमाकृपमादा॥ ५५ ॥ ५४ ॥ रामनागा॥ मा० ताले
 ॥ कलिगपयाहवजिनधनुविजनिनूपः धर्मधनुनूपं २ पक्षः स्नानजिनधनुत्त
 ॥ सर्ववृद्धानमनूपं॥ ५६ ॥ नमामिगीमनिघटवजधनुवापितारः

अनगदवास्वमविता॥ ५७ ॥ उगतवापितुवः सवनूपः रुलपीयकेतः
 थागत २ वरुन २ पविमन्त्रिमला॥ विदिगतावादवीमन्त्रिता॥ ५८ ॥ वादग
 वाधिसत्त्वावः अनसदुमास्वस्वगथागतनयधवा २ पुनमामिवजसत्तः किनु
 वसनमितं मन्त्रीर्षीपविमस्त्रिता॥ ५९ ॥ गीयागम्वनपक्षजकिनीद
 वीः पक्षरुन्वनिशालिंगना २ नमामिस्नानम्वनिः किनुवसजननीः अनगः
 निद्विसिद्धिवनपसादा॥ ६० ॥ ५५ ॥ पञ्चजनीनागा॥ मा० ताले॥

दृगर्जनीः मानववमर्दनी पापहननी ॥ कु ॥ विविधविषयधुनः विघ्नघन
 कुंदनं ॥ रुद्रादिदिगपात्रगागकनचं ॥ दहिनकनतिधनपुत्रधुनि सिनायनः
 सनचं ॥ यिवमनासगतिगमनं ॥ कु ॥ वामखट्वांगधनवृक्षकपाला ॥ रुव
 समुद्रसाधनमनुपातु ॥ धानकन्दविवचजट्टासनचं ॥ विन्दवकडुकाक
 नाववदनं ॥ व्याधुवर्मनिवसनननमधुमाला ॥ अनिवलिखादनसिद्धिरु
 लदं ॥ कु ॥ गवन्तिसूत्रगवजगुनगत्तध्यान ॥ दृष्ट होवनासनसंसाव

तनचं ॥ वृद्धधर्मसासनसंघपवित्रक ॥ श्रीमहाकालगवपादगवचं ॥ कु ॥
 ॥ ५१ ॥ ललितनाग ॥ मा ० गाली ॥ अत्रपकेन श्रीमहकमावा ॥ गमधनकि
 चसंकासनददा ॥ दवश्रीमहपाषंडुवचवापिगा ॥ तिरुखप्रवलदहिन
 कनधाविगा ॥ कु ॥ वामपुस्तकधनसूत्रगुनवाया ॥ पद्मपुष्पासनकागन
 यना ॥ कु ॥ दहिनवामकनधनगवधाविगा ॥ चरुनमानदर्यावामपुस्तवि
 कु ॥ जगतनपालनाथ ॥ पुमादिगद्दया ॥ अहिमथसुखरुल ॥ वलपुगाद

पृष्ठ ५८

॥ ॐ ॥ ५८ ॥ ललितनाग ॥ षट्पञ्चकमख वज्र घञ्छधावि ॥ धन्यमं
जनिपुस्तकवामर ॥ त्रिविधविभवत्तम ॥ ॐ विश्वजिनवन्दित उददि-
नरुक्ता ॥ ॐ ॥ नमामि श्रीवसुधावादेवी ॥ नत्त आरुवचवितरु पिता ॥ क
नकवर्धुवत्तमकटमासि ॥ ललितनागनदाविदुहवर्त्त ॥ ॐ ॥ उद्वेगथाग
तददिनलोकश्वर ॥ वज्रपासिद्धवादेवी ॥ ॐ मञ्जुलन्दनीलवर्धु वामवर्त्त
शुक्रवर्धु ॥ ॐ ॥ श्रीविक्रुलिकलिमाविमार्कदुलन्दी शुरुधाविता

॥ ॐ ॥ ५८ ॥

विषयान्तर ५८

वाक्कलकृष्णजपगाकादिहता ॥ चतुर्वदवीसंज्ञका ॥ ॐ ॥ पूर्वमानिरुद
दक्षिणपूर्वरुद ॥ पश्चिमधनादव ॥ श्वतवर्धु ॥ गुफासुनीकासवस्वतीदवी ॥ व
रुकाकादवीमार्कपदाता ॥ ॐ ॥ ५९ ॥ ललितनाग ॥ विषयविन-
पुवनसजाग्य ॥ कलपिवन्द्याविलिताहिकमल ॥ दहयिजिनविनुमंमि
विनयिशुनतजिन ॥ त्रिसिद्धालसमयग्यमयन ॥ ॐ ॥ नमम ॥ ॐ वा
षंकालचक्र ॥ दवजसम्भवनविश्वरूप ॥ पयिपडमसजाग्यसरुडानिसकन ॥

॥ ५९ ॥

सरुज्जानन्दमयस्त्राननूपं २ वज्रपञ्चकसककंक्रमनगतन ॥ नामसंगीतिज
 काखध्वान २ ॥ जगद्दृष्टवनासनवाधिरुलदायकं २ ॥ जगद्गम्यमानावनि
 लं ॥ ५ ॥ गुनवाक्कदरविषा ॥ अद्वयवर्णकविय ॥ मनिमकटवददगादृ
 रधविषा २ ॥ चन्द्रवक्त्रपातुगवीनपत्रमध्वनसूयुवह ॥ चन्द्रवदनरुवच ॥ ५ ॥
 स्ववनमायासन्धिसम्हावपविरावना २ ॥ वद्वधर्मसंघसवल्पावातिय ॥ ५ ॥
 गुनवच ॥ लनिवधविषा ॥ गावकि सुवक्तव्यमानवृद्धगवच ॥ ५ ॥ ६० ॥

अतिशोषम् ६०

पटकंकालना ॥ मा ० ॥ जतिरीषत्ताउगुपचन्द्राग्नियमुखषट्कजव
 नत्ताविधा ॥ ५ ॥ गुन्यामिरावत्तारुवत्ता २ ॥ वज्रघट्टधविगतननभिलमा
 ला ॥ ५ ॥ नमामि श्रीगुलाकविजया २ ॥ विश्वनाथविश्वव्यापिगा २ ॥ वद्वध
 र्मसंघपादितपुतिह्ला ॥ पादगवत्तिगउमामदध्वन ॥ विश्वनाथविश्वव्यापिगा
 ५ ॥ नक्तुनियकारस्वरावापविविक्तदगकारनिसाना २ ॥ खभपसुकधव २
 मानसंज्ञना ॥ वावविक्रमपुक्कलितकिवत्ता ॥ ५ ॥ पनभुपामधव २ लावच

विश्वनाथमज्जसीना २
 ४६

अतिशय ६७॥

दहा २ सर्वकार विदपाद वनगा २ दान वनाग मानव दहा २ विवध गधु सयन स
वगा ॥ कु ॥ काय वाक विलुखान धनगा २ कि विष दहा निमेल गनीना २ रुव
रुय दन भा ॥ गीत गाव कि सहु वन वन नितंगत धनिया ॥ कु ॥ ५१ ॥
काल नागा ॥ उर्जमान गाल ॥ अति घाल वदन अ सितांग मन्ति २ धधल मधु
माल रुषि क दहा ॥ कु ॥ गनागा २ नमामि २ श्री ख भ म हा काल २ द दिन क
नति धन २ वाम विधूला २ हा उ आरु न रुषि क दहा ॥ कु ॥ सकल मान

१२५॥

नीलमयन रु ६८॥

वधन पंनि दंगा २ सवन वन वन्दि रुव रुय दन भा ॥ कु ॥ अदि सिद्धि वन द
यक दवा २ त्रि रुव न वीना श्री म हा काल गन भा ॥ कु ॥ ५२ ॥ नाग कना
दि ॥ नील मयन रु सा हि ग अ गध २ त्रि म ख त्रि नायन सम व सं रा व ॥ कु ॥ गां वे
ना श्री या ग म्ब व वीना २ या गि क्लान श्व वी जालि ग न वा प पि ॥ कु ॥ ज कि भी म धु
ल व क रु लिया २ म धुल क लि न उ दि यान ॥ कु ॥ व डि घा नी व गा नी व धु नी २
सि धि नी व्या पि नी उ न्च क उ न्कि नी ॥ कु ॥ ज कि नी द्या पि ना व उ सि क वा

१२६॥

गुरुनन्दन

पुमादिना ६३

ऊनी २ ऊनम २ मानू तुरुपायभवत् ॥ कु ॥ ५३ ॥ मधुमत्तनागा ॥ मा०
ताल ॥ पुमादिना आदिद भहमीसन्द विसत्रमन्मं भुलसंस्क्रितवयना ॥ कु ॥
दादगनुऊवउवदनससागा २ वऊवावाही आलिंगना ॥ कु ॥ हूं हूं हूं २ हूं हूं
हूं २ भदिगनु वसमानसगनसम्बनवाधियान ॥ कु ॥ कुलिगद्यन्मगऊवममि
गूल २ कनक्तिउमन्ससाहिता ॥ कु ॥ मयपूनिगभक्तकपालखट्वांग ॥ पानप
नभुवक्रगिलधवा ॥ कु ॥ यक्कजिनवनमकेटआलंकृत् २ मटमूडाआरुव

संयनया ४६

पुष्वलानि ५४

रुषिगा ॥ कु ॥ आलिकालिउयी आलिटवापयि २ वापवर्मनिवसनकृष्ण
नू ॥ कु ॥ ननजिनमालं वशी सम्बन २ दिद्यवक्रुजिचिकनभद्रदया ॥ कु ॥
ऊनम २ मानू तुरुपायिसव २ गावक्रिपवमायवऊगीता ॥ कु ॥ ५४ ॥
मधुमत्तनागा ॥ उडमानताल ॥ अश्वत्थाविंगतपमदवमार ॥ हूं वीऊकृष्ण
अमार्द्धदहा २ नीलरुचिकव कृपागवर्धला ॥ सफदभास्यनुकपक्षगनगा ॥ कु ॥
नमामिआलियायीमीमहासम्बना ॥ वऊवावाही मुन्यताकनसावन २ लीषय

मा हांसीना न ५०

लनात्रुडिकाः तृहकुनिउडिकेगा २॥ तृजगिआरुवचरुषितदसा ॥ तीमभाः
 पियरुयंकना ॥ ६८ ॥ श्रीदवमहाकालमिनुवचव्यापित ॥ दवास्वननवसविता
 २॥ सुनुववचशीनागार्जुन वचनकमलवन्दिता ॥ ६९ ॥ धर्मशीना
 ॥ इव्यालयभामानुर्मनाह्लाः कानलिखनिरुलकविदग्धा ॥ वालागलस्त्री
 नवाविविनुः निस्यन्दगीकसनकाधनाशी ॥ ७० ॥ इजमानाल ॥ गङ्गमुखमिनयनगां
 दववदन ॥ नृत्याधियगिगलभवा २॥ हनमनिमकूठानत्तारुवभा ॥ तवसिकिनः

गङ्गापत्र ६८॥

भसंकाभा ॥ ७१ ॥ माविषाविप्रमाविषादर्यमाविषाइ ४४ खविदान ॥ ७२ ॥ माविषा
 मायामानसंगासाः मनुष्यमइ ४४ खनासिताः पनसुपागजं कंगवज्जदसा ॥ हंमि
 पावदहिनकना २॥ मृगवधनृखद्वांगपागा कपावरुलककुवाम ॥ ७३ ॥ विवि
 कुवस्तुककुवाडिनरुभाजयइममिमिमागुगा २॥ वंवाकभूवच्चादनसासापाप
 नरिमिशवाजन ॥ ७४ ॥ नत्तागवधुगवत्तागविता मुखकमुखजमिसुन्दनार
 दोमादत्ताडुकसुखसागा ॥ नमासु २॥ गलभवा ॥ ७५ ॥ धनाशी

नागा ॥ पुण्याल्लिपदसर्वाकान्ता ॥ खर्वनम्चादनकृष्णपाश ॥ उकवदननियतिनिवा
वना ॥ वरुणुआदिपिकर्मकलिनिमिनि ॥ ५८ ॥ दवीउकजतिउगतजननी ॥
रावासावतूपिनी ॥ सर्वजगज्जदरावन ॥ कर्लेकि ॥ अदिपुत्ररुनमारुपुदायनी
॥ ५९ ॥ खभकवहिकपावनीलात्पनवामदहिनहुउधवि ॥ अष्टनागरवत
रुषित ॥ ग्रीववृद्धनवनिलमाला ॥ ६० ॥ वकीज ॥ नाय ॥ मिता ॥ रुक ॥ पुलक ॥ धी
वत्तसंरुवा ॥ ६१ ॥ उजवेवावनकर्हियजमायसिद्धि ॥ प ॥ कम ॥ डा ॥ वि ॥ रु ॥ धि ॥ ता ॥ ६२ ॥

सहुनपमादगावनिरुपाकनमायायमस्वप्नपुमाद ॥ ग्रीउगुगावनिभीलगत
धनिया ॥ नकविमाराधा ॥ विगा ॥ ६५ ॥ ॥ धनाग्रीनागा ॥ षट्पञ्चनक
नखतिघटधविधानमऊ ॥ नियस्तहला ॥ निविद ॥ गावत्तवर्षसर्वडिनव
दिने ॥ दहिनहला ॥ ६६ ॥ नमामिग्रीवसुधानादवी ॥ नलाउनविरुषिगा ॥ क
नकवधूनेत्रमकृष्णमलि ॥ ललितासनदाविडहव ॥ ६७ ॥ ॥ उर्द्धतथागत ॥ द
हिनलोकधन ॥ वऊपासि ॥ नादवी ॥ उम्वल ॥ जलन्य ॥ नीलवधू ॥ वामववसगु
शेवधू ॥ ६८ ॥ ॥ वीविकुपुलिनिमाविनियवन्दु ॥ सूर्यध ॥ वि ॥ श ॥ वाम ॥ रु ॥ गु ॥ ध ॥ ज ॥ प